

बिहार सरकार
आपदा प्रबंधन विभाग
प्रेस नोट

दिनांक—20.08.2016

गंगा के बढ़ते जलस्तर के परिप्रेक्ष्य में आज दिनांक—20.08.2016 को मुख्य सचिव, बिहार की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई गयी। बैठक में आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव श्री व्यास जी, जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार, नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव श्री चैतन्य प्रसाद, पटना नगर निगम के आयुक्त श्री अभिषेक सिंह, जिला पदाधिकारी, पटना श्री संजय अग्रवाल एवं अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। गंगा के बढ़ते हुए जल स्तर से गंगा किनारे अवस्थित सभी जिले कमोबेष प्रभावित हुए हैं। लेकिन सबसे ज्यादा प्रभाव पटना एवं वैशाली के दियारा क्षेत्र पर पड़ा है। इसके अलावा भोजपुर, बेगूसराय, मुंगेर एवं भागलपुर के दियारा क्षेत्र भी प्रभावित हुए हैं। गंगा का जलस्तर अगले पाँच दिनों तक बढ़ने की आशंका केन्द्रीय एजेंसियों ने बतायी है। अतएव बैठक में निर्णय लिया गया कि:—

1. दियारा क्षेत्रों के बाढ़ प्रभावितों को वहाँ से निकाल कर सुरक्षित स्थान पर लाया जाय तथा बड़े पैमाने पर राहत कैम्पों का संचालन किया जाय। कैम्पों में मानक संचालन प्रक्रियानुसार पका भोजन, पानी, शौचालय, चिकित्सा, सफाई आदि की पर्याप्त व्यवस्था की जाय।
2. सर्वाधिक प्रभावित पटना एवं वैशाली के दियारा क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने का निर्णय लिया गया। तदनुसार पटना में एन0डी0आर0एफ0 की पाँच टीमे तथा वैशाली में एन0डी0आर0एफ0 दो टीमे तैनात की गई है। इसके अतिरिक्त सरकारी देषी नावें भी लगायी गई हैं।
3. निर्णय लिया गया की जो लोग अभी भी निकलना नहीं चाहते हैं तथा दियारे में ही सुरक्षित स्थान पर शरण लिए हुए हैं उनतक सूखा राषन पैकेट पहुँचाया जाय तथा जो लोग राहत कैम्पों में आना चाहते हैं उन्हें एन0डी0आर0एफ0 की मदद से निकालकर राहत कैम्पों में लाया जाय।
4. राहत एवं बचाव कार्यों के लिए एन0डी0आर0एफ0 की पाँच अतिरिक्त टीमें केन्द्र सरकार से मांगी गई हैं। संभावना है कि ये टीमें आज रात तक एयर फोर्स के विशेष विमान से पटना पहुँच जायेंगी। इन्हें भी पटना जिला में राहत एवं बचाव कार्यों में लगाने का निर्णय लिया गया। साथ ही गोरखपुर स्थित एयर फोर्स को तैयार रहने का अनुरोध किया गया है ताकि आवश्यकता पड़ने पर दियारा क्षेत्रों में फुड पैकेट का एयर ड्रॉपिंग कराया जा सके। इसके अलावा सेना को भी तैयार रहने का अनुरोध किया गया है ताकि जरूरत पड़ने पर इन्हें भी राहत एवं बचाव कार्यों में लगाया जा सके।
5. पटना शहर में पानी के प्रवेश को रोकने के लिए पटना नगर निगम को यह निदेश दिया गया कि पानी के सभी आउट लेट जो शहर के पानी को गंगा में प्रवाहित करने के लिए बनाये गए हैं, उन्हें आज ही सील करा दे, ताकि गंगा का पानी शहर में प्रवेश नहीं कर सके।
6. एहतियात के रूप में गंगा किनारे बसे हुए निचले ईलाके के लोगों को उँचे स्थानों पर चले जाने के लिए सतर्क कर दिया गया है ताकि पटना शहर के निचले ईलाके में यदि पानी फैलता है तो वे सुरक्षित रह सकें। इस संबंध में उँचे स्थानों पर राहत केन्द्रों को भी चिन्हित किया जा रहा है ताकि आवश्यकतानुसार शहर के निचले ईलाके में रहने वाले लोगों को राहत केन्द्रों पर ले जाया जा सके। दियारा वासियों से यह अपील की गई है कि एन0डी0आर0एफ0 तथा सरकारी नावों की मदद से निकलकर प्रशासन द्वारा संचालित राहत केन्द्र एवं अन्य सुरक्षित स्थानों पर चले जायें।

जल संसाधन विभाग की सूचनानुसार नदियाँ जो खतरे के निशान से उपर बह रही हैं वे हैं:—गंगा—बक्सर में (DL 62.32, AL 60.76) दीघा घाट (पटना) में (DL 50.45, AL 51.17), गांधी घाट (पटना) में (DL 48.60, AL 49.85), हाथीदह, (पटना) में (DL 41.76, AL 42.53) भागलपुर में (DL 33.68, AL 34.05) कहलगांव (भागलपुर) में (DL 31.09, AL 32.14), सोन कार्लवर (भोजपुर) (DL 55.52, AL 56.55) मनेर पटना में (DL 52.00, AL 52.79), पुनपुन श्रीपालपुर पटना में (DL 50.60, AL 52.17), घाघरा—गंगपुर सिसवन (सिवान) में (DL 57.04, AL 57.33), बुढी गंडक (खगड़िया) में (DL 36.58, AL 37.66), कोसी— बलतारा (खगड़िया) में (DL 33.85, AL 34.20), कुरसेला (कटिहार) में (DL 30.00, AL 30.85), शेष सभी नदियाँ खतरे के निशान से नीचे बह रही है।

आपदा प्रबंधन विभाग का राज्य आपदा ऑपरेशन केन्द्र (State EOC) 24x7 के अनुसार संचालित है। बाढ़ प्रभावित अथवा अन्य SEOC के दूरभाष संख्या—0612—2217301, 2217302, 2217303, 2217304, 2217305 पर बाढ़ से संबंधित कोई भी सूचना दे सकते हैं।